AMBEDKAR KUMAR: - MMUY: - READYMADE GARMENTS MANUFACTURING (CMSCST2021896999334)

लाभार्थी/पिता का नाम -	अम्बेदकर कुमार S/o- मृत्युंजय पासवान
पता-	ग्राम- ओर, पोस्ट- नेअुरी, थाना- बेलागंज, जिला गया।
पहले का काम-	पढ़ाई (छात्र)
परेशानी-	आर्थिक तंगी
योजना के बारे में पता -	अखबार के माध्यम से।
योजना से लाभ-	(i) खुद का व्यवसाय शुरू करना (ii) आर्थिक तंगी दूर होना (iii) 08-10 लोगों को रोजगार दे रहे हैं।

.....

श्री अम्बेदकर कुमार, पिता- स्व० मृत्युंजय पासवान, ग्राम- ग्राम- ओर, पोस्ट- नेअुरी, थाना- बेलागंज, जिला गया का स्नानिवासी है। मुखमंत्री उद्यमी योजनान्तर्गत वर्ष 2021-22 में इन्हें रेडीमेड वस्त्र निर्माण इकाई स्थापित करने के लिए 10.00 लाख रु० प्राप्त हुए हैं।

श्री अम्बेदकर की भी सफलता की कहानी बहुत लंबी है। अत्यंत ही पिछड़े छेत्र में परवरिस होने के बावजूद वे काफी संघर्षशील युवाओं में से गिनती होती है। इनके पिता सिंचाई विभाग में नौकरी करते थे। इन्होनें इन्टर पास कर स्वयं का रोजगार स्थापित करने की सोची। हालांकि उस समय इनके पिताजी का वेतन ऊंट नहीं था जिसके द्वारा इन्हें एकमुस्त पूंजी उपलब्ध करा सके। लेकिन इन्होंने हिम्मत नहीं हारी। कहा भी जाता है कि यदि आप हिम्मत कर आगे बढ़ते हैं तो पूरी कायनात भी आपको मदद करने के लिए आगे आ जाती है। इसी समय अखबार के माध्यम से इन्हें मुख्यमंत्री उद्यमी योजना के बारे में पता चला। उन्होनें तुरंत इस योजना में ऑनलाइन आवेदन समर्पित किया। कुछ समय में इसका परिणाम घोषित हो गया और सौभाग्यवश इनका चयन रेडीमेड वस्त्र निर्माण हेतु हो गया। इन्हें प्रथम किस्त 04.00 लाख रु० मिला। इससे इन्होंने शेड निर्माण कराया और तुरंत 03.00 लाख से सिलाई मशीन इत्यादि क्रय कर लिया। तदपश्चात इन्हें पुनः दूसरा किस्त की राशि 04.00 लाख रु०मिल गया। जिससे इन्होंने पुनः 03.00 लाख की अत्याधुनिक मशीन क्रय कर 01.00 लाख का RAW MATERIAL भी खरीद लिया। इतना होने के बावजूद इन्होंने बिजली का कनेक्शन लिया और काम शुरू कर दिया। काम शुरू होते ही इनके व्यवसाय की चारों तरफ चर्चा होने लगी, क्योंकि इन्होंने न केवल शर्ट-पैन्ट का निर्माण किया बल्कि टी-शर्ट, ट्राउजर्स, इत्यादि का भी निर्माण शुरू कर दिया। इनके इकाई की जांच की गई और तुरंत तीसरी किस्त भी ससमय उपलबध करा दिया गया। इन्होंने इस राशि से भी RAW MATERIAL इत्यादि खरीदा और वृहद पैमाने पर रेडीमेड वस्त्र का उत्पादन शुरू कर दिया। इन्होंने अपने कर्मियों के माध्यम से उत्पादित वस्त्रों को बाजार में भिजवाना शुरू किया, जिससे इन्हें काफी व्यावसायियों से जान-पहचान भी हो गई। अब स्थिति यह है कि व्यावसायी इन्हें ऑर्डर देकर वस्त्रों का निर्माण करवा रहे हैं। जिससे इन्हें काफी मुनाफा हो रहा है।

इस तरह मुख्य मंत्री उद्यमी योजना से इनका काया-कल्प हो गया है।